

॥ श्रीः ॥

उर्दू शतक

अथांत

उर्दू भाषा के कवित्त और मयैया

रीवां निवासी—

स्वर्गीय रामानन्द कवि कृत

वा० दुर्गाप्रसाद खत्री प्रोफ़ाइटर

लहरी प्रेस, द्वारा प्रकाशित



शंकरदत्त बाजपेयी द्वारा

भारतजीवन प्रेस, काशी में छपा ।

१९२३